बी.ए. प्रथम वर्ष

ऐच्छिक हिंदी : प्रथम सत्र

प्रश्नपत्र 1: उपन्यास साहित्य

➢ **उद्देश्य :**

1. सामान्य आस्वादन और अभिरूचि का परिसंस्कार
2. जीवन मूल्यों के प्रति आस्था
3. उपन्यास साहित्य का अध्ययन
4. लेखन तथा भाषण कौशल का विकास

➢ **अध्ययन-अध्यापन पद्धति :**

1. व्याख्यान
2. दृक-श्रव्य साधनों का प्रयोग
3. कार्यशाला
4. परियोजना

➢ **पाठ्यपुस्तकें :**

1. अमिता : यशपाल : लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
2. आपका बंटी : मन्नू भंडारी : राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली

➢ **पाठ्यांश :**

1. हिंदी उपन्यास : स्वरूप एवं विकास
2. 'अमिता' उपन्यास का संवेदनागत अध्ययन
3. 'अमिता' उपन्यास का शिल्पगत अध्ययन
4. 'आपका बंटी' उपन्यास का संवेदनागत अध्ययन
5. 'आपका बंटी' उपन्यास का शिल्पगत अध्ययन

➢ **संदर्भ ग्रंथ :**

1. यशपाल के उपन्यास : समस्यामूलक अध्ययन : डॉ. सीलम व्यंकटेश राव : सीलम प्रकाशन, नामपल्ली हैदराबाद - 01
2. यशपाल का उपन्यास साहित्य : डॉ. सरोज बजाज, ऋषभचरण जैन

3. इतिहास और कल्पना का सुंदर समन्वय : अमिता : डॉ. बी.आर. धापसे, अभय प्रकाश, कानपुर 208021
4. मन्नू भंडारी की कथा यात्रा : संपादक - डॉ. किशोरसिंह तथा डॉ. मीरा सक्सेना : ज्ञान प्रकाशन, कानपुर
5. मन्नू भंडारी का रचना संसार : डॉ. मीना ईप्पन, जवाहर पुस्तकालय, सदर बाजार मथुरा, उत्तरप्रदेश
6. हिंदी के समकालीन उपन्यासों में राजनीतिक चेतना : डॉ. सुकुमार भंडारे, विकास प्रकाशन, कानपुर
7. हिंदी के चर्चित उपन्यासकार : डॉ. भगवतीचरण मिश्र, राजपाल अँड सन्स, कश्मीरी गेट, दिल्ली - 06

बी.ए./बी.कॉम./बी.एस.सी./बी.एफ.ए.

प्रथम वर्ष : प्रथम सत्र

द्वितीय भाषा

प्रश्नपत्र 1 : सामान्य हिंदी - 1

➢ **उद्देश्य :**

1. संवेदना का विकास
2. भाषा कौशल का विकास

➢ **अध्ययन-अध्यापन पद्धति :**

1. व्याख्यान
2. दृक-श्रव्य साधनों का प्रयोग
3. स्वाध्याय/परियोजना

➢ **पाठ्यक्रम :**

अ) कहानी साहित्य :

पाठ्यपुस्तक :

1. कथा संसार : सम्पादक/समन्वयक : डॉ. माधव सोनटक्के हिंदी पाठ्य समिति वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली (पाठ्यक्रम में समाविष्ट कहानियाँ : स्त्री और पुरूष, हार की जीत, दो बाँके, गौरी, एटम बम, पंचलाईट, अपरिचित)

आ) हिंदी भाषा :

1. हिंदी भाषा : उद्‌भव और विकास : सामान्य परिचय
2. देवनागरी लिपि : स्वरूप एवं विकास
3. हिंदी वर्तनी का मानक रूप
4. पारिभाषिक शब्दावली : स्वरूप और समस्याएँ

➢ **संदर्भ ग्रंथ :**

1. हिंदी कहानी का विकास : मधुरेश : सुमित प्रकाशन
2. हिंदी कहानी के सौ वर्ष : डॉ.एन.एम. सण्णी, जवाहर पुस्तकालय, आगरा
3. साठोत्तरी हिंदी लेखिकाओं की कहानियों में नारी : डॉ. मंगल कप्पीकेरे : विकास प्रकाशन, कानपुर
4. व्यावहारिक हिंदी : डॉ. माधव सोनटक्के : जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
5. अच्छी हिंदी : रामचंद्र वर्मा : लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
6. व्यावहारिक हिंदी व्याकरण : हरदेव बाहरी : लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
7. हिंदी व्याकरण : व्योमेशचंद्र शुक्ल : वाणी प्रकाशन, दिल्ली

बी.ए. प्रथम वर्ष

ऐच्छिक हिंदी : प्रथम सत्र

प्रश्नपत्र 2 : नाटक साहित्य

➢ **उद्देश्य :**

1. हिंदी नाटक तथा रंगमंच का अध्ययन
2. संवेदना का विकास
3. नाट्यास्वादन तथा नाट्यालोचन क्षमता का विकास

➢ **अध्ययन-अध्यापन पद्धति :**

1. व्याख्यान
2. दृक-श्रव्य साधनों का प्रयोग
3. नाट्य पठन और प्रस्तुति
4. नाट्यालोचन का अभ्यास

➢ **पाठ्यपुस्तकें :**

1. विजय पर्व : डॉ. रामकुमार वर्मा, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
2. होरी : प्रेमचंद : नाट्य रूपांतर : विष्णू प्रभाकर, राजपाल प्रकाशन, कश्मीरी गेट दिल्ली
3. अलख आजादी की : सुशीलकुमार सिंह, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली

➢ **पाठ्यांश :**

1. 'विजय पर्व' नाटक का संवेदनागत अध्ययन
2. 'विजय पर्व' का शिल्पगत अध्ययन
3. 'होरी' नाटक का संवेदनागत अध्ययन
4. 'होरी' नाटक का शिल्प तथा रूपांतरण पक्ष का अध्ययन
5. 'अलख आजादी' नाटक का संवेदनागत अध्ययन
6. 'अलख आजादी' नाटक का शिल्पगत अध्ययन

➢ **संदर्भ ग्रंथ :**

1. समकालीन संवेदना और हिंदी नाटक : शेखर वर्मा, विकास प्रकाशन, कानपुर
2. बीसवीं सदी का हिंदी नाटक और रंगमंच : डॉ. गिरीश रस्तोगी, ज्ञानपीठ प्रकाशन, नई दिल्ली
3. समकालीन रंगधर्मी नाटककार : लवकुमार लवलीन, विकास प्रकाशन, कानपुर
4. हिंदी नाटक : आज तक : डॉ. वीणा गौतम, शब्द सेतु प्रकाशन, नई दिल्ली
5. प्रसादोत्तर हिंदी नाटक : डॉ. नवनीत चौहान, आस्थाना प्रकाशन, भोपाल
6. नाटककार रामकुमार वर्मा : डॉ. कमल सुर्यवंशी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली

बी.ए. प्रथम वर्ष

ऐच्छिक हिंदी : द्वितीय सत्र

प्रश्नपत्र 3 : हिंदी गद्य साहित्य

➢ **उद्देश्य :**

1. कहानी तथा व्यंग्य का अध्ययन
2. संवेदना का विकास
3. साहित्य आस्वादन तथा मूल्यांकन क्षमता का विकास

➢ **अध्ययन-अध्यापन पद्धति :**

1. व्याख्यान
2. दृक-श्रव्य साधनों का प्रयोग
3. स्वाध्याय/परियोजना

➢ **पाठ्यपुस्तकें :**

1. कथा यात्रा : संपादक/समन्वयक : डॉ. माधव सोनटक्के, हिंदी पाठ्य समिति, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
2. काग भगोडा : हरिशंकर परसाई, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
   (पाठ्यक्रम में समाविष्ट व्यंग्य : इंटरव्यूह, मोफतलाल का होना डिप्टी कलक्टर, एक तृप्त आदमी, अनशकारी, एक दीक्षांत भाषण, रामसिंह की ट्रेनिंग, चमचे की दिल्ली यात्रा, विज्ञापन में बिकती नारी, सदाचार का ताबिज)

➢ **पाठ्यांश :**

1. कहानी : स्वरूप एवं विकास
2. 'कथा यात्रा' की कहानियों का संवेदना तथा शिल्पगत अध्ययन
3. व्यंग्य : स्वरूप एवं विकास
4. 'काग भगोडा' के व्यंग्यों का कथ्य और शिल्पगत अध्ययन

➢ **संदर्भ ग्रंथ :**

1. हरिशंकर परसाई : व्यक्तित्व और कृतित्व : मनोहर देवलिया, साहित्य वाणी प्रकाशन, इलाहाबाद
2. हरिशंकर परसाई के व्यंग्यों में वर्ग चेतना : डॉ. आभा भट्ट, जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
3. हिंदी कहानी के सौ वर्ष : डॉ. एन.एम. सण्णी/ डॉ. अन्ना सालन, जवाहर पुस्तकालय, मथुरा
4. महिला रचनाकारों की कहानियों में जीवनमूल्य : भारती शेलके, विकास प्रकाशन, कानपुर

बी.ए. प्रथम वर्ष

ऐच्छिक हिंदी : द्वितीय सत्र

प्रश्नपत्र 4 : एकांकी साहित्य

➢ **उद्देश्य :**

1. हिंदी नाटकों के नये भेदों का अध्ययन
2. संवेदना का विकास
3. नाट्यास्वादन तथा नाट्यालोचन क्षमता का विकास

➢ **अध्ययन-अध्यापन पद्धति :**

1. व्याख्यान
2. दृक-श्रव्य साधनों का प्रयोग
3. एकांकी पठन तथा मंचन
4. नाट्यालोचन का अभ्यास

➢ **पाठ्यपुस्तकें :**

1. एकांकी नये पुराने : संपादक - श्रीमती मायासिंह, जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद (मीना कहाँ है तथा रास्ता बंद है छोड़कर शेष एकांकी)
2. प्रतिनिधि महिला एकांकी : संपादक - डॉ. माधव सोनटक्के, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद (मादा मिट्टी को छोड़कर शेष एकांकी)

➢ **पाठ्यांश :**

1. एकांकी : स्वरूप एवं भेद
2. हिंदी एकांकी : विकास
3. एकांकी नये पुराने के एकांकी का कथ्य एवं शिल्पगत अध्ययन
4. प्रतिनिधि महिला एकांकी के एकांकी का कथ्य एवं शिल्पगत अध्ययन

➢ **संदर्भ ग्रंथ :**

1. एकांकी और एकांकीकार : रामचरण महेंद्र, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
2. रेडिओ नाटक की कला : सिद्धनाथ कुमार, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
3. साहित्य मनोविज्ञान और हिंदी एकांकी : गुरूदयाल बजाज राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
4. हिंदी एकांकी का रंगमंचीय अनुशीलन : भुवनेश्वर महतो, अन्नपूर्णा प्रकाशन, कानपुर
5. हिंदी एकांकियों में सामाजिक जीवन की अभिव्यक्ति : म.के. गाडगील, पुस्तक संस्थान, कानपुर
6. हिंदी नाट्य साहित्य में महिला रचनाकारों का योगदान : डॉ. दीपा कुचेकर, विकास प्रकाशन, कानपुर